भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **1630**
दिनांक 28 नवम्बर , 2019 / 7 अग्रहायण, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ान के अंतर्गत छोटे हवाई अड्डे

1630. श्री ए° गणेशमूर्ति:
डॉ. टी°आर° पारिवेन्धर:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) क्या सरकार उड़ान योजना को कार्यान्वित कर रही है जिसके अंतर्गत विभिन्न छोटे हवाई अड्डों को छोटी उड़ानों के साथ जोड़ा जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का कोयम्बटूर-तंजावुर, चेन्नई-तंजावुर, कोयम्बटूर-होसूर आदि के लिए इस योजना के अंतर्गत उड़ान सेवा शुरू करने का कोई विचार है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क): सरकार ने क्षेत्रीय हवाई सम्पकर्ता को वहनीय बनाते हुए इसे उत्प्रेरित करने के लिए दिनांक 21.10.2016 को क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) आरंभ की है। आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत, 137 छोटे शहरों को जोड़ने वाले 688 आरसीएस मार्ग एवार्ड किए गए हैं, जिनमें से अब तक 43 छोटे शहरों को जोड़ने वाले 232 आरसीएस मार्गों पर प्रचालन आरंभ हो चुके हैं।

(ख) और (ग): आरसीएस-उड़ान एक बाजार चालित योजना है। क्षेत्रीय हवाई सम्पर्कता मार्गों का विकास बाजार शक्तियों पर छोड़ा गया है ताकि एयरलाइनें किसी मार्ग विशेष पर मांग और आपूर्ति की प्रकृति का आकलन कर सकें। तंजोर (तंजावूर) - चेन्नई और तंजोर (तंजावूर) -बंगलौर के बीच आरसीएस मार्ग, उड़ान योजना के अंतर्गत चयनित एयरलाइन प्रचालकों को एवार्ड किए जा चुके हैं। तथापि, किसी भी एयरलाइन ने आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के तीसरे दौर तक कोयंबतूर - तंजावूर और कोयंबतूर - होसुर सेक्टर पर आरसीएस उड़ानें प्रचालित करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किए हैं।

*****